संत जोसेमरिया एस्क्रीवा
ओपुस देई चे संस्थापक
प्रार्थना

हे प्रभु तूने, धन्य कुँवारी मरिया की मध्यस्थता द्वारा, अपने पुरोहित संत जोसेमरिया एस्क्रीवा को असीम कृपाएँ प्रदान कीं और ओपुस देइ की स्थापना के लिए उन्हें अति विश्वसनीय साधन के रूप में चुना, जो प्रत्येक खीस्तीय के दैनिक कार्यों व सामान्य कर्त्तव्यों की पूर्ति के द्वारा पवित्रीकरण का मार्ग है। मुझे आशीर्वाद दे कि मैं भी अपने जीवन की परिस्थितियों और घटनाओं द्वारा ऐसे अवसर बनाऊँ जिनके द्वारा मैं तुझे प्रेम कर सकूँ और कलीसिया, संत पापा व सभी लोगों की सेवा, खुशी व सादगी के साथ इस तरह कर सकूँ, जिससे विश्वास और प्रेम की ज्योति से पृथ्वी के पथ प्रज्वलित हो सके।

संत जोसेमरिया की मध्यस्थता से मेरे निवेदन की पूर्ति हो.... (आपका निवेदन)। *आमेन।*

हे पिता हमारे.... प्रणाम मरिया.... पिता पुत्र और पवित्र आत्मा ....।

"जहाँ कहीं भी आपकी लालसा, आपके कार्य, आपको प्रिय लगने वाली वस्तुएँ हैं, ठीक वहीं आप हर दिन परमेश्वर से मुलाकात कर सकते हैं। प्रभु व लोगों की सेवा करके हम सब पृथ्वी की भौतिक वस्तुओं के मध्य रहकर अपने आपको पवित्र कर सकते हैं। मेरे पुत्र और पुत्रियों, स्वर्ग और पृथ्वी क्षितिज पर मिलते हुए प्रतीत होते हैं। मगर जब तुम अपने दैनिक जीवन को पवित्र बनाते हो वास्तव में उनका मिलन तुम्हारे हृदय में होता है।"

संत जोसेमरिया एस्क्रीवा के प्रवचन
संसार को संपूर्ण हृदय से प्रेम, 8 अक्टूबर 1967

संत जोसेमरिया एस्क्रीवा दे बालागेर का जन्म स्पेन के बारबास्त्रो शहर में 9 जनवरी 1902 को हुआ था। उनका पुरोहिताभिषेक 28 मार्च 1925 को सारागोसा में हुआ। 2 अक्टूबर 1928 को उन्होंने ईश्वरीय प्रेरणा से ओपुस देइ की स्थापना की। 26 जून 1975 को, रोम में जिस कमरे में वे कार्य करते थे, वहाँ संत मरिया की तस्वीर को आखिरी बार स्नेह भरी निगाह से देखने के बाद, उन्होंने अपनी आत्मा ईश्वर को सौंप दी। तब तक ओपुस देइ का विस्तार पाँच महाद्वीपों और 80 राष्ट्रों के 60,000 से अधिक सदस्यों के बीच हो चुका था। उन सदस्यों ने उसी तन्मयता से कलीसिया की सेवा कर, संत पापा और धर्माध्यक्षों के साथ सम्पूर्ण एकता को बनाये रखा है, जो संत जोसेमरिया एस्क्रीवा कर रहे थे। ओपुस देइ के संस्थापक को संत पापा जॉन पॉल द्वितीय ने रोम में 6 अक्टूबर 2002 को संत घोषित किया। 26 जून को उनका पर्व मनाया जाता है। उनका पार्थिव शरीर शांति की माता मरिया के प्रेलातीक चर्च (Prelatic Church of Our Lady of Peace, Viale Bruno Buozzi 75, Rome) रोम में रखा गया है।

संत जोसेमरिया एस्क्रीवा के विषय में और अधिक जानकारी के लिए :–
www.josemariaescriva.info   www.escrivaworks.org

जिन लोगों को संत जोसेमरिया एस्क्रीवा से निवेदन के फलस्वरूप वरदानों की प्राप्ति हो, उनसे अनुरोध है कि वे इसकी सूचना, इस पते पर दें: ओपुस देइ प्रेलातुर, पी.ओ. बॉक्स – 4559, नई दिल्ली – 110016

कलीसियाई स्वीकृति से तैयार